BAL BHARATI PUBLIC SCHOOL, PITAMPURA, DELHI – 110034

विषय – हिंदी

निर्देश ः-

1. पाठ को समझने के लिए दिए गए लिंक देखें।
2. दिए गए कठिन शब्द तथा गद्यांश को पढ़कर प्रश्नोत्तर कॉपी में करें।
3. कॉपी की जाँच स्कूल खुलने के बाद की जाएगी।

पाठ- बचपन

कृपया नीचे दिए गए लिंक को देखें और बचपन के बारे में जानें:-
https://www.youtube.com/watch?v=OAreIGx_cjw

पाठ परिचय ः-

- प्रस्तुत पाठ 'बचपन' की लेखिका 'कृष्णा सोबती' हैं।
- इस पाठ में लेखिका ने अपने बचपन की घटनाओं के बारे में बताया है।
- लेखिका ने अपने बचपन के समय तथा अब के समय में आए बदलाव को बड़े ही रोचक ढंग से बताया है।
- लेखिका अपने बचपन की दिनचर्या और अपनी खट्टी- मीठी यादों को बड़े ही मजेदार तरीके से सुनाती हैं।

BAL BHARATI PUBLIC SCHOOL PITAMPURA

कृपया नीचे दिए गए लिंक को देखें तथा पाठ को समझें:-

https://www.youtube.com/watch?v=bwj9upY7rio

पाठ का सार ः-

लेखिका ने इस पाठ में अपने बचपन के बारे में बताया है। लेखिका का जन्म पिछली शताब्दी में हुआ था। अभी लेखिका की उम्र दादी या नानी जितनी होगी। बचपन से लेकर अब तक उनके पहनावे में बहुत परिवर्तन आए। बचपन मे वह रंग बिरंगे कपड़े पहनती थीं जैसे नीला ,जामुनी, ग्रे, काला, चॉकलेटी परन्तु अब वह सफ़ेद रंग के कपड़े पहनती हैं। पहले वे फ्रॉक, निकर-वॉकर, स्कर्ट, लहँगे, गरारे पहनती थीं लेकिन अब चूड़ीदार और घेर दार कुर्ते पहनती हैं। बचपन के कुछ फ्रॉक अभी भी उन्हें याद हैं।

उन्हें अपने मोज़े और स्टॉकिंग भी याद हैं। उन्हें अपने मौजे ख़ुद धोने पड़ते थे। हर रविवार को अपने जूतों पर पॉलिश करनी होती थी। उन्हे नए जूतें से ज़्यादा पुराने जूतें पहनना पसंद था क्योंकि नए जूतें पहने से पैरों में छाले हो जाते थे। आज भी उन्हें बूट पॉलिश करना पसन्द है। हर शानिवार को उन्हें सेहत ठीक रखने के लिए ऑलिव ऑयल या कैस्टर ऑयल पीना पड़ता था।

उन दिनों रेडियो और टेलीविज़न नहीं था। केवल कुछ घरों मे ग्रामोफ़ोन थे। लेखिका के अनुसार पहले और अब के खाने में भी अंतर आया है। पहले की कुलफ़ी आइसक्रीम हो गयी है। कचौड़ी-समोसा पैटीज़ में बदल गया है। शरबत कोक-पेप्सी बन गया है। लेखिका के घर से मॉल नजदीक था। उन्हें हफ्ते मे एक बार ही चॉकलेट ख़रीदने की छूट थी और सबसे ज़्यादा चॉकलेट उन्हीं के पास रहता था। उन्हें चने ज़ोर गरम और अनारदाने का चूर्ण बहुत पसंद था। लेखिका को पहले के चने ज़ोर गरम और अब वाले में अंतर नहीं लगता। उसका स्वाद वैसा ही है।

लेखिका ने अपने बचपन शिमला रिज पर बहुत मजे किए हैं। घोड़ों की सवारी भी उन्होंने की है। सूर्यास्त के समय दूर-दूर तक फैले पहाड़ मनोरम दृश्य प्रस्तुत करते। चर्च की बजती घंटियाँ का संगीत सुनकर लगता प्रभु ईश कुछ कह रहे हों। स्कैंडल पॉइंट के सामने के शोरूम में शिमला-कालका ट्रेन का मॉडल बना था। पिछली सदी हवाई जहाज़ कभी - कभी देखने को मिल जाते थे। हवाई जहाज़ देख कर ऐसा लगता था जैसे कोई भारी भरकम पक्षी पंख फैलाकर तेज़ गति से उड़ रहा हो। गाड़ी के मॉडल वाली दुकान के साथ एक और दुकान थी, जहाँ से लेखिका ने अपना पहला चश्मा बनवाया था। वहाँ के डॉक्टर अंग्रेज़ थे।

शुरू शुरू मे चश्मा लगाना उन्हें अटपटा लगता था। डॉक्टर ने आश्वासन दिया था कुछ दिनों में उनका चश्मा उतर जाएगा परन्तु आज तक वह नहीं उतरा। इसकी जिम्मेदार लेखिका खुद हैं। वह दिन की रोशनी में नहीं पढ़कर रात में टेबल लैंप के सामने पढ़तीं। जब पहली बार उन्होंने चश्मा लगाया था तब उनके भाई उन्हें चिढ़ाते थे कि उनकी सूरत लंगूर जैसी लग रही है। धीरे-धीरे चश्मा लेखिका से घुल-मिल गया।

कठिन शब्दों के अर्थ

- सयाना – होशियार
- शताब्दी – एक सौ साल का समय
- फ्रिल – झालर
- चलन – प्रचलन में
- केस्टर ऑयल – अरंडी का तेल
- ऑलिव ऑयल – जैतून का तेल
- खुराक – निश्चित मात्रा
- मितली – उल्टियाँ
- मुँह में पानी भर आना – लालच आना
- निरा – केवल
- कमतर – कम अच्छा
- खीजना – क्रुद्ध होना
- सुभीते – सुविधाजनक

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नो के उत्तर दीजिए -

हमारा घर माल से ज़्यादा दूर नहीं था। एक छोटी-सी चढ़ाई और गिरजा मैदान पहुँच जाते। वहाँ से एक उतराई उतरते और माल पर। कन्फ़ैक्शनरी काउंटर पर तरह-तरह की पेस्ट्री और चॉकलेट की खुशबू मनभावनी!

हमें हफ़्ते में एक बार चॉकलेट खरीदने की छूट थी। सबसे ज़्यादा मेरे पास ही चॉकलेट-टॉफ़ी का स्टॉक रहता। मैं चॉकलेट लेकर खड़े-खड़े कभी न खाती। घर लौटकर साइडबोर्ड पर रख देती और रात के खाने के बाद बिस्तर में लेटकर मज़े ले-ले खाती।

प्रश्न **1.** उपर्युक्त गद्यांश में किसके घर की बात की जा रही है ? नाम लिखिए।

प्रश्न **2.** उतराई उतरने पर कहाँ पहुँचा जा सकता था ?

प्रश्न **3.** लेखिका को हफ्ते में एक बार क्या खरीदने की छूट थी ?

प्रश्न **4.** पेस्ट्री और चॉकलेट की मनभावनी खुशबू कहाँ से आती थी ?

BAL BHARATI PU